रजिस्टर्ड नं० पी०/एस० एम० 13.

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

खण्ड 36] शिमला, शनिवार, 12 मार्च, 1988/22 फाल्गुन, 1909 [संख्या 11

विषय-सूची

भाग 1	वैधानिक नियमों को छोड़ कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि	184—185
भाग 2	वैधानिक नियमों को छोड़ कर विभिन्न विभागों के प्रध्यक्षों और जिला मैजिस्ट्रेटों द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि ..	—
भाग 3	अधिनियम, विधेयक और विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक नियम तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, फाइनेन्शियल कमिश्नर तथा कमिश्नर आफ इन्कम टैक्स द्वारा अधिसूचित आदेश इत्यादि ..	—
भाग 4	स्थानीय स्वायत्त शासन: म्युनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नोटिफाइड और टाउन एरिया तथा पंचायती राज विभाग ..	—
भाग 5	वैयक्तिक अधिसूचनाए और विज्ञापन	185—189
भाग 6	भारतीय राजपत्र इत्यादि में से पुनः प्रकाशन	—
भाग 7	भारतीय निर्वाचन आयोग (Election Commission of India) की वैधानिक अधिसूचनाएं तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी अधिसूचनाएं	—
—	अनुपूरक	—

12 मार्च, 1988/22 फाल्गुन, 1909 को समाप्त होने वाले सप्ताह में निम्नलिखित विज्ञप्तियां 'असाधारण राजपत्र, हिमाचल प्रदेश' में प्रकाशित हुईं:—

विज्ञप्ति की संख्या	विभाग का नाम	विषय
संख्या 3-4/87-ई. एल एन., दिनांक 9 मार्च, 1988.	निर्वाचन विभाग	भारत सरकार, विधि तथा न्याय मंत्रालय (विधायी विभाग) की अधिसूचना फा० संख्या० 13 (1)/88-विधायी-II दिनांक 9 मार्च, 1988, हिन्दी रूपान्तर सहित, जो राज्य सभा निर्वाचन के सम्बन्ध में जारी किया है, का प्रकाशन।
-यथैव-	-यथैव-	भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना संख्या 318/88 (1), 318/88(2), 318/88(3), 318/88 (4), समस्त दिनांक 9 मार्च 1988, हिन्दी रूपान्तर सहित, का प्रकाशन।
दिनांक 9 मार्च, 1988.	कार्यालय, रिटर्निंग आफिसर, हिमाचल प्रदेश।	हिमाचल प्रदेश से राज्य सभा के निर्वाचन के लिये सूचना, इसके अंग्रेजी रूपान्तर सहित।

589-राजपत्र/88-12-3-88—1,255.

मूल्य : 1 रुपया।

भाग 1—वैधानिक नियमों को छोड़ कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि

हिमाचल प्रदेश सरकार
PERSONNEL (A-I) DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 29th February, 1988

No. Per. (A-I)-B(2)-6/82.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order promotion of Shri J.N. Batta, Joint Director, Animal Husbandry, Himachal Pradesh as Director of Animal Husbandry, Himachal Pradesh in the pay scale of Rs. 2300—2500 purely on *ad hoc* basis with effect from 1-3-1988 *till* further orders, *vice* Dr. V.L. Mehta, retiring with effect from 29-2-1988 (A.N.).

This *ad hoc* promotion shall not confer upon him any right for regular promotion/continuation/seniority/confirmation etc.

By order
B. C. Negi,
Chief Secretary.

सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य विभाग

अधिसूचनाएं

यत: राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामत:* भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त* प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इससे सम्बन्धित हैं या हो सकते हैं की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों/उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी ऐसा हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिनों की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

*उठाऊ पेय जल योजना सरकाघाट के निर्माण हेतु।

संख्या सिंचाई 11-21/87.

शिमला-2, 9 फरवरी, 1988

विस्तृत विवरणी

जिला : हमीरपुर तहसील : बसी भोरंज

गांव	खसरा नं0	क्षेत्र कनाल	मरले
अवाहदेवी हावीर	1/1	1	6

---

*महाल घुघरेहड मौजा सुनेहत में उठाऊ सिंचाई योजना सुनहेत (लोअर) के निर्माण हेतु।

संख्या सिंचाई 11-17/87-कांगड़ा

शिमला-2, 9 फरवरी, 1988

जिला : कांगड़ा तहसील : देहरा

महाल	खसरा नं0	हैक्ट0	क्षेत्र एरे0	सैण्टी0
घुघरार	1116	0	00	91
	1117	0	01	71
	608/1	0	00	16
	1114/1	0	03	00
किता . .	4	0	05	78

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
सचिव।

लोक निर्माण विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 29 दिसम्बर, 1987

संख्या लो0 नि0 (ख) 7(1)33/87.—यत: हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन के लिए नामत: गांव खलीनी, पटेवग, पट्टी रेहाना (शहरी) तथा पट्टी रेहाना (ग्रामीण) में शिमला बाई पास के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करना अत्यावश्यक अपेक्षित है, अतएव एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र से जैसा कि निम्न विवरणी में दर्शाया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. अत्याधिक आवश्यकता को दृष्टि में रखते हुए, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (4) के अधीन यह भी निर्देश देते हैं कि उक्त अधिनियम की धारा 5 ए के उपबन्ध इस मामले में लागू नहीं होंगे।

विवरणी

जिला : शिमला तहसील : शिमला

गांव	खसरा संख्या	क्षेत्र बीघा	बिस्वा
1	2	3	4
खलीनी	4	0	2
	32/6	0	1
	53/18/6	0	8
	50/18/6	0	10
	51/18/6	0	11
किता . .	5	1	12

1	2	3	4
पटैवग	591/323	3	9
	639/280	0	12
	576/288	1	13
	574/287	0	13
	289	0	9
	351	0	10
	277	0	11
	584/322	0	8
	585/322	0	2
	587/322	0	7
	588/322	0	2
	279	0	7
	570/282	1	1
	583/321	0	8
	317	0	4
	343	0	11
	593/327	49	3
	276	2	0
	283	0	4
	572/284	0	10
	581/319	0	14
किता ..	21	63	18
पट्टी रेहाना (शहरी)	49/14/1	0	18
	18/1	0	5
	15/1	0	17
	51/19	1	2
	55/20/1	4	5
	21/1	5	1
	36/2	0	16
	42/5/1	0	8
	57/22/1	1	0
	57/22/3	0	2
	33/1	0	16
	45/6	0	1
	46/6	0	3
	47/6/1	0	9
	9/1	2	13
	7/1	0	1
	12/1	0	11
	10/1	0	1
	11	0	1
	8/1	0	10
	24/1	0	5
किता ..	21	20	2
पट्टी रेहाना (ग्रामीण)	155/2/1	0	2
	161/2/1	0	3
	163/1	0	4
	2226/2064/1	0	9
	319/1	1	0
किता ..	5	1	18

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
सचिव ।

भाग 2--वैधानिक नियमों को छोड़ कर विभिन्न विभागों के अध्यक्षों और जिला मैजिस्ट्रेटों द्वारा अधिसचनाएं इत्यादि

शून्य

भाग 3--अधिनियम, विधेयक और विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक नियम तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, फाइनेन्शियल कमिश्नर तथा कमिश्नर आफ इन्कम टैक्स द्वारा अधिसूचित आदेश इत्यादि

शून्य

भाग 4--स्थानीय स्वायत्त शासन: म्युनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नोटिफाइड और टाउन एरिया तथा पंचायती राज विभाग

शून्य

भाग 5—वैयक्तिक अधिसूचनाएं और विज्ञापन

ब अदालत श्री डी0 एस0 नेगी, उप-पंजीपाल, चौपाल, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

उनवान मुकद्दमा :—

श्रीमती चन्ता देवी पत्नी गोडू राम, निवासी ग्राम भराणू, परगना शिला, तहसील चौपाल, जिला शिमला ...फ्रीक अव्वल ।

बनाम

ग्राम जनता ...फ्रीक दौयम ।

नोटिस बनाम : ग्राम जनता

प्रार्थना-पत्र बराये पंजीकरण करने वसीयतनामा जेर धारा 40/41 भारतीय पंजीकरण अधिनियम, 1908

उपरोक्त विषय में ग्राम जनता को बजरिया इश्तहार हजा आगाह किया जाता है कि श्रीमती चन्ता देवी पत्नी गोडू राम, ग्राम भराणू ने एक बसीयतनामा बराये पंजीकरण मेरे सम्मुख पेश किया है जो उसके हक में मु0 दुंदरी देवी पुत्री कौंथु, ग्राम चोरी (खेड़ा), परगना शिला, तहसील चौपाल ने बाबत क्यारी जो चक भराणू में वाका है अपने जीते जी रूबरू गवाहान लिखवाया था, मु0 दुंदरी अब वफात पा चुकी है।

अत: नोटिस बजरिया इश्तहार हजा ग्राम जनता को आगाह किया जाता है कि यदि इस वसीयत को पंजीकृत करने बारा किसी भी व्यक्ति का कोई भी उजर व ऐतराज हो तो वह दिनांक 17-3-1988 को सुबह 10 बजे मेरे न्यायालय मुकाम चौपाल में हाजर आकर अपना उजर व ऐतराज पेश करे अन्यथा यह वसीयतनामा हस्ब जाब्ता भारतीय पंजीकरण अधिनियम की धारा 40/41 के अन्तर्गत पंजीकृत कर दिया जावेगा ।

आज दिनांक 18-2-88 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया ।

मोहर ।

डी0 एस0 नेगी,
उप-पंजीपाल,
चौपाल, तहसील चौपाल,
हिमाचल प्रदेश ।

ब अदालत जनाब प्रताप सिंह, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, फतेहपुर (कांगड़ा)

इन्तकाल नं0	नाम टीका	किस्म इन्तकाल	तारीख पेशी
8	हौरी	तबदील मलकीयत तहत हिमाचल प्रदेश मुजारियत एवं भू0 सुधार अधिनियम, 1974 जेर धारा 104 (3)	2-4-1988

श्री इलाइची पुत्र श्री हीरो, साकन हौरी, तहसील नूरपुर ..मुजारा

बनाम

श्री वीरेन्द्र मोहन पुत्र श्री शेर सिंह, श्रीमती किरण बेवा मोहिन्द्र मोहन

मोहन पुत्र व श्रीमती ओमा देवी, रजनी देवी सरोजनी देवी पुत्रियां श्री शेर सिंह पुत्र सोहन लाल, साकनान छौरी, उप-तहसील फतेहपुर, तहसील नूरपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ...मालकान ।

हरगाह उनवान बाला में उपरोक्त मालकान को सूचित किया जाता है कि इन्तकाल नं0 8 वाक्या टीका छौरी तबदील मलकीयत तहत मुजारियत एवं भू-सुधार अधिनियम, 1974 (हिमाचल प्रदेश) जेर धारा 104 (3) बावत खाता नं0 7/13 मिन खसरा नं0 115 ता 118 किता 4 रकबा 0-13-92 है0 का 291136/947240 भाग वाक्या टीका छौरी, उप-तहसील फतेहपुर बराये तस्दीक ता फैसला उपरोक्त मालकान बहक मुजारा श्री ईलायची पुत्र हीरो दर्ज है जिसकी निस्बत उपरोक्त मालकान को कई बार बजरिया चौकीदार इतला दी गई मगर वह हल्का से कहीं बाहर रहना तस्दीक होते है जिस कारण उनकी इतला न हो सकी ।

अतः उपरोक्त मालकान को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि वह दिनांक 2-4-1988 को सुबह 10.00 बजे हजारी अदालत मुकाम फतेहपुर में असालतन या वकालतन हाजर आकर परवी तस्दीक इंतकाल करें अन्यथा इन्तकाल ब मुजारा श्री इलाईची पुत्र हीरो फैसला कर दिया जावेगा उसके बाद कोई उजर काबिले समायत न होगा ।

यह इश्तहार आज दिनांक 17-2-88 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत सहित जारी हुआ

मोहर ।

प्रताप सिंह,
सहायक समाहर्ता,
द्वितीय श्रेणी, फतेहपुर ।

ब अदालत जनाब सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी, श्री भगवान दास मदान घुमारवीं, तहसील घुमारवीं,

मुकदमा तकसीम

महन्ती पत्नी श्री लालमन सुपुत्र श्री सुरजण, निवासी ग्राम भगवानी परगना गैहड़वीं, तहसील घुमारवीं

बनाम

सीता राम, प्रभु राम, श्रीमती गमगरू, बेवा पोहलो, निवासी भगवाणी, परगना गेहड़वीं, तहसील घुमारवीं, जिला बिलासपुर ।

श्रीमती कादिम सुपुत्री पोहलो, पत्नि सन्त राम, गांव भडोलियां, श्रीमती बसन्ती सुपुत्री पोहलो, पत्नि मुन्शी राम, सकना, पलदी, श्रीमती निर्मला सुपुत्री पोलो, पत्नि अमरनाथ, गांव ज्योग, गोदावरी सुपुत्री पोहलो, पत्नि मदनलाल, सकना गंगास्वी

मदन सरवण गुड्डू चमन सुपुत्र श्रीमती द्रोपती गांव, भड़ोलियां परगना वकोह।

श्रीमती कमला सुपुत्री द्रोपती पत्नि देसराज, गांव नधयार, श्रीमती विमला सुपुत्री द्रोपती, पत्नि वासुदेव, गांव भलू, रैणा, परगना एन्धणी ।

दरख्वास्त तकसीम अराजी 3-1 बीघा, खेवट नं0 47, खतौनी नं0 58, ख0नं0 2 वाक्या, ग्राम भगवाणी, परगना, गेहड़वीं, तहसील घुमारवीं।

हरगाह उपरोक्त मुकदमा में फरीक दोयम नं0 2 प्रभुराम को कई बार इस अदालत हजा से समन जारी किए गए परन्तु उसकी तामील सही ढंग से नहीं हो रही है। अदालत को यकीन हो चुका है कि फरीक-दोयम प्रभु राम की तामील असालतन नहीं हो सकती है अतः हस्व दरख्वास्त फरीकदोयम नं0 2 को बजरिया इश्तहार आर्डर 5, रूल 20 जाब्ता दीवानी सूचित किया जाता है कि यदि फरीकदोयम को मुकदमा में कोई उजर एतराज हो तो मिति 16-3-88 को सुबह 10 बजे हाजिर अदालत आवें अन्यथा आपके खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 12-2-1988 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर निशान अदालत से जारी किया गया।

मोहर ।

हस्ताक्षरित,
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी श्री भगवान दास मदान;
तहसील घुमारवीं, जिला बिलासपुर।

ब अदालत श्रीमान पी0 सी0 कपूर, सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी, जो0 नगर, जिला मण्डी

मिसल नं0 41 मरजुआ 25-4-87 ..फैसला ।

वमुकदमा :

श्री मुलतान चन्द वल्द नरीन्द्र चन्द्र, जात राजपूत, निवासी चलाहरग, इलाका नेरकलां, तहसील जो0 नगर, जिला मण्डी ..प्राथी ।

बनाम

मु0 बुधी बेवा कांशी, नोखु, कहनू, सुपुत्र ज्वाला, जात घीरथ, निवासी चलाहरंग, व्यापक चन्द, रूप चन्द सुपुत्र नरीन्द्र, दीवान चन्द सुपुत्र घमण्डा मु0 हंसु बेवा अमर चन्द, मु0 सन्धी सुपुत्री कौलसिंह, छापे राम, शक्ति चन्द सुपुत्र सोढा, चना राम, शिव सिंह सुपुत्र हरीचन्द, महन्त राम सुपुत्र मनीया, जात राजपूत, निवासी मलोग, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा ..फरीक दोयम।

दरख्वास्त सेहत गिरदावरी

उपरोक्त मुकदमा में फरीकदोयम के नाम इस अदालत से कई बार समन जारी किये परन्तु फरीक दोयम पर समन की तामील नहीं हो रही है इससे अदालत हजा को पूर्ण विश्वास हो गया है कि फरीक दोयम पर समन की तामील आसान तरीके से होनी असंभव है।

अतः फरीक दोयम मु0 बुधी, नोखू, कहनू, ब्यापक चन्द, रूप चन्द दिवान चन्द, मु0 हसु मु0 सन्धी, छापे राम, शक्ति चन्द, चना राम, शिव सिंह महन्त को बजरिया इश्तहार जेर आर्डर 5, नियम 20, सी0 पी0 सी0 सूचित किया जाता है कि वे दिनांक 18-3-1988 को प्रातः 10 बजे असालतन या वकालतन अदालत हजा में हाजर आकर पैरवी मुकदमा करें अदम हाजरी की सूरत में कार्यवाही यकतरफा अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 8-2-1988 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर

पी0 सी0 कपूर,
सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी,
जोगिन्द्र नगर, जिला मण्डी ।

ब अदालत श्रीमान पी0 सी0 कपूर, सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी, जोगिन्द्र नगर, जिला मण्डी

मिसल नं0 42/3 मरजुआ 25-4-87 फैसला ।

वमुकदमा :

श्री मुलतान चन्द वल्द नरीन्द्र चन्द, जात राजपूत, निवासी चलाहरग, इलाका नेरकलां, तहसील जो0 नगर, जिला मण्डी ..प्रार्थी ।

बनाम

श्री नोखू कन्हू सुपुत्र जवाला, जात घीरथ, सकना चलाहरग व्यापक चन्द, रूप चन्द पुत्र नरीन्द्र दीवान चन्द सुपुत्र घमण्डा, मु0 हंसू, बेवा अमर चन्द, मु0 सन्धी सुपुत्री कौल सिंह छापे राम, शक्ती चन्द सुपुत्र सोढा, चना राम, शिव सिंह, सुपुत्र हरीचन्द, महन्त राम, सुपुत्र मनीया जात राजपूत निवासी मोलग, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा ..फरीकदोयम।

दरख्वास्त सेहत गिरदावरी

उपरोक्त मुकदमा में फरीक दोयम के नाम इस अदालत से कई बार समन जारी किये गये परन्तु फरीक दोयम पर समन की तामील नहीं हो रही है। इससे अदालत हजा को पूर्ण विश्वास हो गया है कि फरीक दोयम पर समन की तामील आसान तरीके से होनी असंभव है।

अतः फरीकदोयम नोखू कन्हू, व्यापक चन्द, रूप चन्द, दिवान चन्द, मु0 हस मु0 सन्धी, छोपे राम शक्ति चन्द, चना राम शिव सिंह, महन्त राम को बजरिया इश्तहार जेर आर्डर 5, रूल 20 सी0 पी0 सी0 सूचित किया जाता है कि वे दिनांक 18-3-1988 को प्रातः 10 बजे असालतन या

वकालतन अदालत हजा में हाजर आकर पैरवी मुकदमा करें अदमहाजरी की सूरत में कार्यवाही एकतरफा अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 8-2-1988 को मेरे हस्ताक्षर और मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

पी० सी० कपूर,
सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी,
जोगिन्द्रनगर, जिला मण्डी।

Office of the Motor Accident Claims Tribunal-II, Solan and Sirmuar Districts at Nahan Himachal Pradesh

Case No. 28-N/2 of 1987

1. Smt. Surmi Devi wife of Late Shri Khatri Ram, 2. Shri Guman Singh son of Shri Khatri Ram, 3. Shri Sant Ram son of Shri Khatri Ram, 4. Shri Siya Ram son of Shri Khatri Ram minors through their natural guardian mother Petitioner No. 1, 5. Shri Jati Ram son of Shri Rup Singh, all residents of Shilla, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh.

..*Petitioners.*

Versus

1. Shri Raj Deep son of Shri Narain Singh, resident of Village Sarawa Modi Nagar Road, Meerut (U.P.), 2. Oriental Insurance Company Ltd. Solan, District Solan Himachal Pradesh, 3. Shri Baldev Singh son of Shri Harnam Gir resident of Village Bharewala, Dhaula Kuwan, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh

..*Respondents.*

Application Under Section 110-A Read with Section 92-A of the Motor Vehicles Act for Grant of Compensation.

To

Shri Rajdeep son of Shri Narain Singh resident of Sarawa Modi Nagar Road Meerut (U.P.) C/o S.N. Tayagi S.D.O. I.P.H. Sub-Division Majra, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh.

Whereas it has been proved to the satisfaction of this court that the respondent No. 1 Rajdeep cannot be served in ordinary course of service, hence this proclamation Under Order 5, Rule 20, C.P.C. is hereby issued against him that he should appear personally or through some authorised agent or pleader before this Court on 16-3-1988 at 10 A.M. at Nahan, failing which petition shall be heard and decided *ex parte*.

Given under my hand and seal of the Court this 17th day of February, 1988.

Seal.

JENESHWAR GOAL,
Motor Accident Claims Tribunal-II
Solan and Sirmaar District at Nahan.

In the Court of Addl. District Judge, (Motor Accident Claims, Tribunal-II), Solan and Sirmaur, District at Nahan, Himachal Pradesh

Case No. 25-N/2 of 1987

1. Smt. Durgi Devi wife of Shri Hira Singh, 2. Shri Natar Singh s/o Shri Hira Singh, 3. Shri Satish Kumar son of Shri Hira Singh, Minors through their natural guardian Mother. Resident of Village Shilla, Tehsil Paonta, District Sirmaur, Himachal Pradesh ..*Petitioners.*

Versus

1. Shri Raj Deep son of Shri Narain Singh, resident of Village Sarwa, Modi Nagar, Road Meerut (U.P.), 2. Oriental Insurance Company Ltd. Solan, District Solan, Himachal Pradesh, 3. Shri Baldev Singh son of Shri Harnam Gir resident of Village Bherewala Dhaula Kuwan, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh.

..*Respondents.*

Application under Section 110-A Read with section 92-A of the M.V. Act for Grant of Compensation.

To

Shri Rajdeep son of Shri Narain Singh resident of Sarawa Modi Nagar Road Meerut (U.P.) C/o S.N. Tayagi S.D.O. I.P.H. Sub-Division Majra, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh.

Whereas it has been proved to the satisfaction of this court that the respondent No. 1 Rajdeep cannot be served in ordinary course of service, hence this proclamation Under Order 5, Rule 20, C.P.C. is hereby issued against him that he should appear personally or through some authorised agent or pleader before this court on 16-3-1988 at 10 A.M. at Nahan, failing which petition shall be heard and decided *exparte*.

Given under my hand and seal of the Court this 17th day of February, 1988.

Seal.

JENESHWAR GOAL,
Motor Accident Claims,
Tribunal-II Solan and Sirmaur.

In the Court of Motor Accident Claims Tribunal-II Solan and Sirmaur District at Nahan

Case No. 26-N/2 of 87

1. Shri Singha son of Motu Ram, 2. Raksha d/o Shri Singha, 3. Ranjeet s/o Singha, 4. Miss. Indra d/o Singha, 5. Miss Lella d/o Singha, 6. Miss Kaushalia d/o Singha, 7. Miss Shayma d/o Singha, 8. Shri Devender S/o Singha, minors through their natural guardian father petitioner No. 1 All resident of Village Shilla, Tehsil Paonta-Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh.

.. *Petitioners.*

1. Shri Rajdeep son of Shri Narain Singh resident of Village Sarawa Modi Nagar Road Meerut (U.P.). 2. Oriental Insurance Company Ltd. Solan District Solan Himachal Pradesh, 3. Shri Baldev Singh son of Shri Harnam Gir Resident of Village Bherewala Dhaula Kuwan Versus Tehsil Paonta Sahib District Sirmaur Himachal Pradesh.

..*Respondents.*

Application under section 110-A Read with Section 92-A of the Motor Vehical Act for Grant of Compensation

To

Rajdeep son of Narain Singh resident of Village Sarawa Modi Nagar Road Meerut (U.P.) c/o S.N. Tayagi S.D.O. I.P.H. Sub-Division Majora, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh.

Whereas it has been proved to the satisfaction of this court that the respondent No. 1 Rajdeep cannot be served in ordinary way of service, hence this proclamation under order 5 rule 20, C.P.C. is hereby issued against him that he should appear personally or through some authorised agent or pleader before this court on 16-3-1988 at 10 A.M. at Nahan failing which petition shall be heard and decided *ex-parte*.

Given under my hand and seal of this court today this 17th day of February, 1988.

Seal.

JANESHWAR GOEL,
Motor Accident Claims Tribunal-II.

In the Court of Addl. District Judge (Motor Accident Claims Tribunal-II), Solan and Sirmaur

Case No. 27-N/2 of 87

Smt. Kalmuri wife of Late Munshi Ram, 2. Santosh d/o Shri Munshi Ram, 3. Ramesh s/o Shri Munshi Ram

4. Suresh s/o Shri Munshi Ram, 5. Deep Chand Son of Shri Munshi Ram, 6. Veneeta d/o Shri Munhsi Ram, Minors through their natural guardian Mother petitioner No. 1 all resident of Village Shilla, Tehsil Paonta Sahib District Sirmaur, Himachal Pradesh.

Petitioners.

Versus

1. Shri Rajdeep son of Narain Singh, resident of Village Sarawa Modi Nagar, Road Meerut (U.P.)., 2. Oriental Insurance Companv Ltd. Solan District, Solan Himachal Pradesh, 3. Shri Baldev Singh son of Shri Harnam Gir resident of Village Bherewala Dhaula Kauon, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh.

Application under Section 110-A Read with section 92-A of the M.V. Act for the Grant of Compensation.

To

Shri Rajdeep son of Shri Narain Singh resident of Sarawa Modi Nagar Road Meerut (U.P.) C/o S.N. Tayagi S.D.O. I.P.H. Sub-Divisionan Majaran, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh.

Whereas it has been proved to the satisfaction of this court that the respondent No. 1 Rajdeep cannot be served in ordinary course of service, hance this proclamation under order 5, Rule 20, C.P.C. is hereby issued against him that he should appear personally or through some authorised agent or pleader before this court on 16-3-1988 at 10 A.M. at Nahan failing which petition shall be heard and decided *exparte*.

Given under my hand and the seal of this court today this 17th February, 1988.

JANESHWAR GOAL,
Motor Accident Claims Tribunal-II

Seal

Before the Motor Accident Claims Tribunal-II, Solan and Sirmaur District at Nahan Himachal Pradesh

Case No. 29-N/2 of 1987

1. Moti Ram son of, 2. Shrimati Saina wife of Shri Moti Ram, residents of Village Shilla, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh 3. Puran son of Shri Sunder Singh, 4. Shushma daughter of Shri Sunder Singh, Minors through their guardian Grand father, the petitioner No. 1. ..*Petitioners.*

Versus

1. Shri Raj Deep son of Shri Narain Singh, resident of Village Sarawa. Modi Nagar Road, Meerut (U.P.), 2. Oriental Insurance Company Ltd. Solan, District Solan, Himachal Pradesh, 3. Shri Baldev Singh Son of Shri Harnam Gir resident of Village Bharewala, Dhaula Kuwan, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh.

..*Respondents.*

Application under section 110-A Read with section 92-A of the Motor Vehicles Act for Grant of Compensation.

To

Shri Rajdeep son of Shri Narain Singh resident of Sarawa Modi Nagar Road Meerut (U.P.). C/o S.N. Tayagi S.D.O.I.P.H. Sub-Division Majra, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh.

Whereas it has been proved to the satisfaction of this court that the respondent No.1 Rajdeep cannot be served in ordinary course of service, hence this proclamation under order 5, Rule 20, C.P.C. is hereby issued against him that he should appear personally or through some authorised agent or pleader before this court on 16-3-1988 at 10 A.M. at Nahan, failing which petition shall be heard and decided *ex-parte*.

Given under my hand and seal of the court this 17th day of February, 1988.

Seal.

JANESHWAR GOAL,
Motor Accident Claims Tribunal-II

In the Court of Addl. District Judge Motor accident Claims Tribunal-II, Solan and Sirmaur District at Nahan Himachal Pradesh

Case No. 23-N/2 of 87

1. Shri Puran son of Shri Sunder Singh, 2. Sushma d/o Shri Sunder Singh, through their guardian Grand father Shri Moti Ram son of Telu Ram resident of Village Shilla, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur Himachal Pradesh.

..*Petitioners.*

Versus

1. Shri Raj Deep son of Shri Narain Singh resident of Village Sarawa Modi Nagar Road, Meerut U.P., 2. Oriental Insurance Company Ltd. Solan District, Solan Himachal Pradesh, 3. Shri Baldev Singh son of Shri Harnam Gir resident of Village Bharewala, Dhaula Kuwan Teh. Paonta Sahib District Sirmaur, Himachal Pradesh.

..*Respondents.*

Application under section 110-A Read with Section 92-A of the Motor Vehicle Act for Grant of Compensation.

To

Shri Raj Deep son of Shri Narain Singh resident of Village Sarawa, Modi Nagar Road, Meerut U.P. C/o S.N. Tayagi S.D.O.I.P.H. Sub. Division Majra, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh.

Whereas it has been proved to the satisfaction of this court that the respondent No. 1 Rajdeep cannot be served in ordinary course of service, hence this proclamation under Order 5, Rule 20, C.P.C. is hereby issued against him that he should appear personally or through some authorised agent or pleader before this court on 16-3-88 at 10 A.M. at Nahan, failing which petition shall be heard and decided *exparte*.

Given under my hand and the seal of the court today this 17th day of February, 1988.

JANESHWAR GOAL
Motor Accident Claims Tribunal—II

In the Court of Motor Accidents Claims Tribunal-II Solan and Sirmour district at Nahan

Case No. 24-N/2 of 87

1. Smt. Shanti Devi wife of Late Shri Atma Ram, 2. Sumer Chand s/o Atma Ram, 3. Suresh Kumar s/o Shri Atma Ram, 4. Kuldip Singh s/o Shri Atma Ram, 5 . Vinod Kumar s/o Shri Atma Ram minors through their natural guardian Mother petitioner No. 1, all residents, of Village Shilla, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmauri Himachal Pradesh. .. *Petitioners.*

Versus

1. Shri Rajdeep s/o Shri Narain Singh, reisdnets of Village Sarawa, Modi Nagar Road, Meerut (U.P.),, 2. Oriental Insurance Company Ltd., Solan, District Solan, Himachal Pradesh, 3. Shri Baldev Singh s/o Shri Harnam Gir resident of Village Bherewala Dhaula Kuwan, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmur Himachal Pradesh.

Application under section 110-A read with section 92-A of the Motor Vehicle Act for grant of compensation.

To

Shri Rajdeep son of Shri Narain Singh, resident of Village Sarawa, Modi Nagar Road, Meerut U.P. c/o

S.N. Tayagi, S.D.O. I.P.H. Sub-Division, Majra, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh.

Whereas in the above noted case it has been proved to the satisfaction of this court that the respondent No.1 Rajdeep cannot be served in ordinary way of service, hence this proclamation under Order 5, Rule 20 C.P.C. is hereby issued against him that he should appear personally or through some authorised agent or pleader before this court on 16-3-88 at 10 A.M. at Nahan failing which petition shall be heard and decided *ex-parte*.

Given under my hand and the seal of the court today this 17th day of February, 1988.

Seal. JANESHWAR GOEL,
Motor Accident Claims Tribunal-II, Solan and Sirmaur distrct at Nahan.

In the Court of Motor Accident Claims Tribunal-II Solan and Sirmaur districts at Nahan Himachal Pradesh

Case No. 21-N/2 of 87

1. Smt. Maina wife of late Shri Telu Ram, 2. Shri Mitter Singh son of Shri Telu Ram, 3. Atma Ram s/o Shri Telu Ram, Rukmi daughter of Shri Telu Ram, minors through their natural guardian mother petitioner No. 1, all resident of Village Shilla, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh. .. *Petitioners.*

Versus

1. Shri Rajdeep son of Shri Narain Singh, resident of Village Sarawa, Modi Nagar Road Meerut (U.P.), 2. Oriental Insurance Compnay Ltd. Solan, Distt. Solan Himachal Pradesh, 3. Shri Baldev Singh s/o Shri Harnam Gir, resident of Village Bherewala Dhaula Kuwan, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh ... *Respondents.*

Application under Section 110-A read with section 92-A of the Motor Vehicle Act for grant of compensation.

To

Shri Rajdeep son of Shri Narain Singh, resident of Village Sarawa Modi Nagar Road Meerut (U.P.).

Whereas it has been proved to the satisfaction of this court that the respondent No. 1 Rajdeep cannot be served in ordinary way of service, hence this proclamation under Order 5 Rule 20 C.P.C. is hereby issued against him that he should appear personally or through some authorised agent or pleader before this court on 16-3-1988 at 10 A.M. at Nahan failing which petition shall be heard and decided *exparte*.

Given under my hand and the seal of this court today this 17th day of February, .1988.

Seal. JANESHWAR GOEL,
Motor Accidents Claims Tribunal-II, Solan and Sirmaur districts at Nahan.

In the Court of Motor Accidents Claims Tribunal-II, Solan and Sirmaur district at Nahan

1. Smt. Nupi Wife of late Shri Laiq Ram, 2. Mohinder Singh son of Shri Laig Ram, 3. Tapinder Singh son of Shri Laiq Ram, 4. Asha d/o Shri Laiq Ram, 5. Sandla wife of Shri Jati Ram minors through their natural guardian Mother petitioner No. 1, all residents of Village Shilla, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh

..*Petitioner.*

Versus

1. Shri Rajdeep son of Shri Narain Singh, resident of Village Sarawa, Modi Nagar Road Meerut (U.P.), 2. Oriental Insurance Company Ltd. Solan, District Solan Himachal Pradesh, 3. Shri Baldev Singh son of Shri Harnam Gir, resident of village Bherewala Dhaula Kuwan, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur Himachal Pradesh.

..*Respondents.*

To

Application under section 110-A read with section 92-A of the Motor Vehicle Act for grant of compensation.

Shri Rajdeep son of Shri Narain Singh, resident of Village Sarawa Modi Nagar Road Meerut (U.P.) c/o S.N. Tayagi, S.D.O.I.P.H. Sub-Division Majra, Tehsil Paonta Sahib, Himachal Pradesh.

Whereas it has been proved to the satisfaction of this court that the respondent No. 1 Rajdeep cannot be served in ordinary way of service, hence this proclamation under Order 5, Rule 20, C.P.C. is hereby issued against him that he should appear personally or through some authorised agent or pleader before this court on 16-3-1988 at 10 A.M. at Nahan failing which petition shall be heard and decided *exparte*.

Given under my hand and the seal of this court today this 17th day of February, 1988.

Seal JANESHWAR GEOL,
Motor Accident Claims Tribunal-II,

In the Court of Additionanl District Judge, Solan and Sirmaur Districts at Nahan, Himachal Pradesh

Petition No. 9-N/3 of 1987

Smt. Kanta Devi wife of Shri Shardha Ram, resident of Vilage Kando, Tehsil Nahan, District Sirmaur, Himachal Pradesh. .. *Petitioner.*

Versus

Shri Shardha Ram s/o Shri Bhadur Singh, r/o Village Dhaner, Tehsil Kalka, District Ambala .. *Respondent.*

Petition under section 13 of the Hindu Marriage Act

To

Shri Shardha Ram son of Shri Bhadur Singh, r/o Village Dhaner, Tehsil Kalka, District Ambla Haryana.

Whereas in the above noted case it has been proved to the satisfaction of this court that the above named respondent cannot be served in the ordinary course of service as he is avoiding the service of summons issued against him.

Hence this proclamation under Order 5, Rule 20, C.P.C. is hereby issued against him to appear in this court on 16-3-1988 at 10 A.M. at Nahan personally or through an authorised agent or pleader to defend the case, failing which he will be proceeded *exparte*.

Given under my hand and seal of this court today this 17th day of February, 1988.

Seal JANESHWAR GOEL,
Addlttonal District Judge, district at Nahan.

भाग 6—भारतीय राजपत्र इत्यादि में से पुनः प्रकाशन

शून्य

भाग 7—भारतीय निर्वाचन आयोग (Election Commission of India) की वैधानिक अधिसूचनाएं तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी अधिसूचनाएं

शून्य

अनुपूरक

शून्य

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित ।